

वश्व की वभिन्न कृषिपद्धतियों को अपनाना

प्रलिमिस के लयि:

इंटर क्रॉपिंग, रलि प्लांटेशन, साइल मलचगि

मेन्स के लयि:

वश्व की वभिन्न कृषिपद्धतियों का भारत के लयि महत्त्व

चर्चा में क्यों?

हाल ही में शोध कयि गए दस्तावेजों के अनुसार, "इंटर क्रॉपिंग के साथ एकीकृत खेती पर्यावरणीय पदचहिन को कम करते हुए खाद्य उत्पादन को बढ़ाती है", भारत में छोटे भूमिधारक अधिक अनाज पैदा कर सकते हैं और पर्यावरणीय पदचहिन को कम कर सकते हैं।

प्रमुख बदि

■ अध्ययन के प्रमुख नषिकर्ष:

○ "रलि प्लांटेशन" उपज बढ़ाता है:

- रलि प्लांटेशन का अर्थ है एक ही खेत में एक ही मौसम में वभिन्न फसलों का रोपण।
- उदाहरण: तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र में छोटे कसिन रलि खेती से पैसा कमा रहे हैं। वे प्याज, हल्दी, मरिच, अदरक, लहसुन और यहाँ तक कि कुछ देशी फल भी लगाते हैं, इस प्रकार इस बीच के समय के दौरान लाभ कमाते हैं।
- इसमें श्रम का बेहतर प्रयोग होता है, कीड़े कम फैलते हैं और फलियाँ मटिटी में नाइट्रोजन का प्रसार करती हैं।
- हालाँकि रलि क्रॉपिंग में कठनाइयाँ होती हैं, अर्थात् इसके लयि मशीनीकरण और प्रबंधन की अधिक आवश्यकता है।

○ स्ट्रपि क्रॉपिंग अधिक लाभकारी:

- स्ट्रपि क्रॉपिंग का उपयोग अमेरिका में कयिा गया है (जहाँ खेत भारत की तुलना में बड़े हैं), वहाँ कसिन वैकल्पिक तरीके से एक ही खेत में मकई और सोयाबीन के साथ गेहूँ उगाते हैं। हालाँकि इसके लयि बड़ी भूमिकी आवश्यकता होती है।
- भारत में जहाँ बड़े खेत हैं (जैसे कि शहरों और राज्य सरकारों के स्वामतिव वाले), भूमिको पट्टियों में वभिजति कयिा जाता है तथा फसलों के बीच घास की पट्टियों को उगने के लयि छोड़ दिया जाता है।
- वृक्षारोपण से पश्चिमी भारत में रेगसितान को स्थिर करने में मदद मलिी है।

○ साइल मलचगि और नो टलि:

- "साइल मलचगि", यानी उपलब्ध साधन जैसे- गेहूँ या चावल के भूसे के प्रयोग से मृदा में सुधार करना साइल मलचगि कहलाता है।
- पारंपरिक मोनोकल्चर फसल की तुलना में 'नो-टलि' या कम जुताई वार्षिक फसल की उपज को 15.6% से 49.9% तक बढ़ा देती है और पर्यावरण के पदचहिन को 17.3% तक कम कर देती है।
- हालाँकि भारत में छोटे कसिनो के लयि ये तरीके आसान नहीं हैं, लेकिन कम-से-कम बड़े खेतों में इनका अभ्यास कयिा जा सकता है।
- मटिटी की मलचगि के लयि आवश्यक है कि सभी खुली मटिटी को पुआल, पत्तियों और इसी तरह से ढक दिया जाए, तब भी जब भूमि उपयोग में हो।
- कटाव को कम कर नमी बरकरार रखी जाती है और लाभकारी जीवों, जैसे केंचुआ का प्रयोग कयिा जाता है, इससे मटिटी की जुताई न करने पर भी वही लाभ मलिता है।

■ भारत के लयि महत्त्व:

- वर्तमान आँकड़े के अनुसार, देश में छोटे कसिनो की एक बड़ी आबादी है, जनिमें से कई के पास 2 हेक्टेयर से भी कम भूमि है।
- भारत के लगभग 70% ग्रामीण परिवार अभी भी अपनी आजीविका के लयि मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर हैं, जसिमें 82% कसिन छोटे और सीमांत हैं।
- कुछ स्रोतों के अनुसार सभी कसिनो में से केवल 30% औपचारिक स्रोतों से उधार लेते हैं।
 - राज्य सरकारों की ओर से कृषि ऋण माफी इस संबंध में मददगार रही है।

स्रोत: द हट्टु

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/learning-farming-practices-from-world>

